CUH Organized Collaborative conclave on NEP 2020 Implementation

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: The Tribune **Date: 10-09-2025**

VARSITY HOLDS CONCLAVE ON NEP

Mahendragarh: Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh, organised a Collaborative Conclave on NEP 2020 implementation in collaboration with Vidya Bharati Uchcaha Shiksha Sansthan (VBUSS), Haryana. The aim of the conclave was to create an ecosystem among seven universities across the state in collaboration with CUH for effective implementation of NEP 2020 at the earliest. Prof Surender Singh, Director, IQAC-cum-organising secretary, CUH, welcomed all the delegates and university officials. Prof Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor, CUH, appreciated the initiatives taken by seven universities of Haryana, including CCSHAU, LUVAS and GJU Hisar, CBLU Bhiwani, CDLU Sirsa and IGU Rewari. Prof Tankeswar emphasised that higher education plays an extremely important role in promoting human as well as societal wellbeing through quality teaching through holistic education approaches, as higher education institutions aim to significantly contribute towards innovative teaching practices, impactful research, sustainable livelihoods, and contribution towards economic development of the nation.

Haryana Tribune Wed, 10 September 20
https://epaper.tribu

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Tribune **Date: 10-09-2025**

शैक्षिक बदलाव की तैयारी **सम्मेलन में बनी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की कार्य योजना**

हकेंवि में एनईपी-2020 पर सम्मेलन आयोजित, सात वीसी ने साझा किये विचार

नारनौल, 9 सितंबर (निस)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में 'विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान, हरियाणा' के सहयोग से आज राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के क्रियान्वयन पर सहयोगी सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन का उद्देश्य एनईपी 2020 को शीघ्र ही प्रभावी ढंग से लागू करने हेतु हरियाणा राज्य के सात विश्वविद्यालयों में हकेवि के सहयोग के पारस्परिक सहयोगी वातावरण तैयार करना था।

आयोजन के आरम्भ में हकेवि के आईक्यूएसी, निदेशक एवं आयोजन सचिव प्रो. सुरेंद्र सिंह ने सभी अतिथियों और विश्वविद्यालय अधिकारियों का स्वागत किया।

हकेंवि, महेंद्रगढ़ में एनईपी पर केंद्रित एक दिवसीय विश्वविद्यालय सम्मेलन में उपस्थित मुख्य अतिथि, विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति व अन्य पदाधिकारी। -निस

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) टंकेशवर कुमार ने हरियाणा के सात विश्वविद्यालयों के कुलपतियों प्रो. बी.आर. कम्बोज, कुलपति, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार; प्रो. नरसी राम बिश्नोई, कुलपति, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार; प्रो. दीप्ति धर्माणी, कुलपति, चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी; डॉ. विजय कुमार, कुलपति, चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा; प्रो. असीम मिगलानी, कुलपति, इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर रेवाड़ी; प्रो. विनोद कुमार वर्मा, कुलपति, लाला लाजपत राय पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय की ओर से एनईपी के कार्यान्वयन हेतु जारी पहलों की सराहना की।

हकेवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि उच्च शिक्षा मानव और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। गुणवत्तापूर्ण और समग्र शैक्षणिक दृष्टिकोण के माध्यम से उच्च शिक्षा संस्थान नवीन शिक्षण पद्धतियों, उपयोगी अनुसंधान, सतत आजीविका और राष्ट्र के आर्थिक विकास में सार्थक योगदान दे सकते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि प्रख्यात शिक्षाविद श्री के.एन. रघुनंदन, संगठन महामंत्री, विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान, हरियाणा ने कहा कि उच्च शिक्षा का उद्देश्य विचारशील, सृजनशील और बहुआयामी व्यक्तित्वों का विकास करना होना चाहिए, जो विज्ञान, समाज विज्ञान, कला, मानविकी, भाषाओं के साथ-साथ व्यावसायिक, तकनीकी और व्यावसायिक विषयों में भी दक्ष हों। मुख्य अतिथि ने कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर नागरिक बनाने में नई शिक्षा नीति की भूमिका महत्त्वपूर्ण है और इस प्रयास में देश, समाज से पहले विद्यालयों, विश्वविद्यालयों व शिक्षकों का योगदान अहम है। उन्होंने शिक्षा को विद्यार्थी केंद्रित, प्राध्यापक संचालित व समाज पोषित बनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम के संयोजक एवं समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा सहित सातों विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने अपने-अपने संस्थानों में वर्तमान पाठ्यक्रम ढांचे और सामने आ रही चुनौतियों पर केन्द्रित विचार साझा किए।

कार्यक्रम का समापन हकेवि के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने सभी कुलपतियों, एनईपी नोडल अधिकारियों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए किया।

epaper.dainiktribuneonline.com

दैनिक ट्रिब्यून Wed, 10 September 2025
https://epaper.dainiktribuneonline.com/c/78122935

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 10-09-2025**

एनईपी-2020 के क्रियान्वयन पर किया मंथन

हकेंवि में हुआ सहयोगी सम्मेलन, 7 विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने किया शीघ्र लागू करने पर विचार

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान, हरियाणा के सहयोग से मंगलवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन पर सहयोगी सम्मेलन आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के सात विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने नीति को शीघ्र और प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए विचार-विमर्श किया।

सम्मेलन में कुलपतियों ने अपने-अपने संस्थानों में वर्तमान पाठ्यक्रम ढांचे और सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की। उच्च शिक्षण संस्थानों और उद्योगों के बीच सहयोगात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया गया।

मुख्य रूप से बहुविषयक दृष्टिकोण अपनाने, भारतीय ज्ञान परंपरा के साथ व्यावसायिक और कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम शामिल करने, अधिगम आधारित परिणामों का पुनर्गठन, द्विभाषीय पाठ्यक्रम तैयार करने, और विश्वविद्यालयों में इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर की स्थापना पर सहमति बनी।

इसके अलावा मल्टीपल एंट्री और एग्जिट नीति को लागू करना, पाठ्यक्रमों को यूजीसी दिशा-निर्देशों से संरेखित करना, आईक्यूएसी को मजबूत करना, शोध कार्यों को प्रोत्साहित करना, और विद्यार्थियों तथा संकाय में विविधता बढ़ाने जैसी महत्वपूर्ण सिफारिशें भी दी गईं।

भारतीय ज्ञान परंपरा को समकालीन शिक्षा से जोड़ना महत्वपूर्ण : कार्यक्रम के संयोजक एवं सम कुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा ने कहा कि एनईपी भारत को पुनः जगद्गुरु के रूप में स्थापित करने के लिए भारतीय ज्ञान परंपरा को समकालीन शिक्षा से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है।

एनईपी 2020 का उद्देश्य विद्यार्थियों को अधिक सार्थक और संतोषजनक जीवन एवं भूमिकाओं के लिए तैयार करना है, ताकि वे मिशन विकसित भारत 2047 के अनुरूप आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें।

हकेंवि में एनईपी पर केंद्रित एक दिवसीय सम्मेलन में उपस्थित मुख्य अतिथि, कुलपति व अन्य पदाधिकारी। स्रोत - हकेंवि

इन सात विश्वविद्यालयों के कुलपति हुए शामिल

केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार, प्रो. बीआर कम्बोज कुलपति चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार, प्रो. नरसी राम बिश्नोई कुलपति गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार, प्रो. दीप्ति धर्माणी कुलपति चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय भिवानी, डॉ. विजय कुमार कुलपति चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा, प्रो. असीम मिगलानी कुलपति इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर रेवाड़ी, प्रो. विनोद कुमार वर्मा कुलपति लाला लाजपत राय पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय शामिल हुए।

शिक्षण पद्धतियों व अनुसंधान से आर्थिक विकास में मदद

हकेंवि कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने कहा कि उच्च शिक्षा मानव और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। गुणवत्तापूर्ण और समग्र शैक्षणिक दृष्टिकोण के माध्यम से उच्च शिक्षा संस्थान नवीन शिक्षण पद्धतियों, उपयोगी अनुसंधान, सतत आजीविका और राष्ट्र के आर्थिक विकास में सार्थक योगदान दे सकते हैं। कुलपति ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि सरकार से अधिक विद्यार्थियों को सबल बनाने में शिक्षकों का योगदान महत्त्वपूर्ण है। कुलपति ने शिक्षा नीति में भारतीयता, भारतीय ज्ञान परम्परा व भारतीय भाषाओं के महत्त्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि अवश्य ही इस संवाद से सभी सहयोगी विश्वविद्यालय लाभांवित होंगे।

विद्यार्थियों को बेहतर नागरिक बनाने में महत्त्वपूर्ण

कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि प्रख्यात शिक्षाविद केएन रघुनंदन संगठन महामंत्री विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान हरियाणा ने कहा कि उच्च शिक्षा का उद्देश्य विचारशील, सृजनशील और बहुआयामी व्यक्तित्वों का विकास करना होना चाहिए। यह विज्ञान, समाज विज्ञान, कला, मानविकी, भाषाओं के साथ-साथ व्यावसायिक, तकनीकी और व्यावसायिक विषयों में भी दक्ष हो। विद्यार्थियों को बेहतर नागरिक बनाने में नई शिक्षा नीति की भूमिका महत्वपूर्ण है। इस प्रयास में देश, समाज से पहले विद्यालयों, विश्वविद्यालयों व शिक्षकों का योगदान अहम है। स्कूली शिक्षा में निरंतर बदलाव जारी हैं और अगले दस वर्षों में इस बदलावों के परिणाम स्वरूप विद्यार्थी विश्वविद्यालय शिक्षा में शामिल होंगे इसलिए हमें उनकी आकांक्षाओं के अनुरूप स्वयं को तैयार करना होगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 10-09-2025**

हकेंवि में एनईपी 2020 के क्रियान्वयन पर सहयोगी सम्मेलन

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में मंगलवार को 'विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान, हरियाणा' के सहयोग से राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन पर सहयोगी सम्मेलन आयोजित हुआ। सम्मेलन का उद्देश्य राज्य के सात विश्वविद्यालयों के बीच सहयोगी वातावरण तैयार करना था ताकि नीति का त्वरित और सफल क्रियान्वयन हो सके। कार्यक्रम की शुरूआत आईक्यूएसी निदेशक एवं आयोजन सचिव प्रो. सुरेंद्र सिंह के स्वागत भाषण से हुई।

हकेंवि के कुलपति प्रो. डॉ. टंकेश्वर कुमार ने उच्च शिक्षा की भूमिका को मानव एवं सामाजिक कल्याण के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने शिक्षकों को विद्यार्थियों को सबल बनाने का प्रमुख माध्यम बताते हुए शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परंपरा, भारतीय भाषाओं और भारतीयता को विशेष महत्व देने पर बल दिया। सम्मेलन में हरियाणा के सात विश्वविद्यालयों के कुलपति ने अपने-अपने संस्थानों के अनुभव साझा किए। मुख्य अतिथि विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के संगठन महामंत्री के.एन. रघुनंदन ने कहा कि उच्च शिक्षा का लक्ष्य बहुआयामी व्यक्तित्वों का विकास होना चाहिए। एक दिवसीय विमर्श में कुलपतियों ने पाठ्यक्रम सुधार, बहुविषयक दृष्टिकोण, भारतीय ज्ञान परंपरा आधारित शिक्षा, नवाचार एवं इनोवेशन सेंटर, द्विभाषीय एमओओसी पाठ्यक्रम, मल्टिपल एंट्री-एग्जिट सिस्टम और समाजोन्मुखी शोध को बढ़ावा देने जैसी सिफारिशें कीं। कार्यक्रम का समापन कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 10-09-2025**

हकेंवि में एनईपी के क्रियान्वयन पर सम्मेलन आयोजित

संवाद सहयोगी, जागरण • महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में 'विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान, हरियाणा' के सहयोग से मंगलवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के क्रियान्वयन पर सहयोगी सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन का उद्देश्य एनईपी 2020 को शीघ्र ही प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए हरियाणा राज्य के सात विश्वविद्यालयों में हकेवि के सहयोग के पारस्परिक सहयोगी वातावरण तैयार करना था।

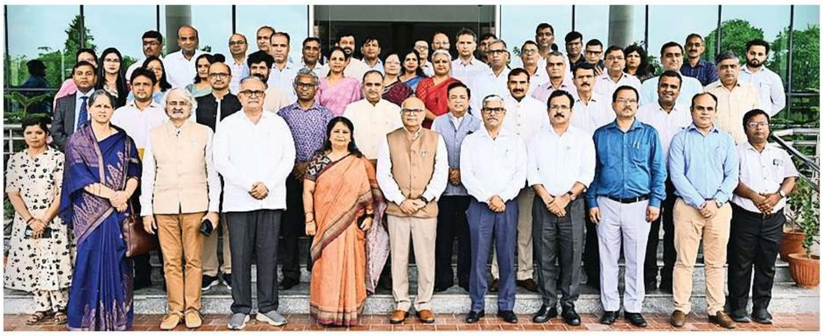

एक दिवसीय विश्वविद्यालय सम्मेलन में उपस्थित मुख्य अतिथि, विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति व अन्य पदाधिकारी • सौः हकेंवि

हकेवि के आईक्यूएसी, निदेशक एवं आयोजन सचिव प्रो. सुरेंद्र सिंह ने सभी अतिथियों और विश्वविद्यालय अधिकारियों का स्वागत किया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने हरियाणा के सात विश्वविद्यालयों के कुलपतियों प्रो. बीआर कम्बोज, कुलपति, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार; प्रो. नरसी राम बिश्नोई, कुलपति, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार; प्रो. दीप्ति धर्माणी, कुलपति, चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी; डा. विजय कुमार, कुलपति, चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा; प्रो. असीम मिगलानी, कुलपति, इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर रेवाड़ी; प्रो. विनोद कुमार वर्मा, कुलपति, लाला लाजपत राय पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय की ओर से एनईपी के कार्यान्वयन के लिए जारी पहल की सराहना की।

कुलपति ने कहा कि उच्च शिक्षा मानव और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। गुणवत्तापूर्ण और समग्र शैक्षणिक दृष्टिकोण के माध्यम से उच्च शिक्षा संस्थान नवीन शिक्षण पद्धतियों, उपयोगी अनुसंधान, सतत आजीविका और राष्ट्र के आर्थिक विकास में सार्थक योगदान दे सकते हैं। कुलपति ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया कि सरकार से अधिक विद्यार्थियों को सबल बनाने में शिक्षकों का योगदान महत्वपूर्ण है।

कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि प्रख्यात शिक्षाविद केएन रघुनंदन, संगठन महामंत्री, विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान, हरियाणा ने कहा कि उच्च शिक्षा का उद्देश्य विचारशील, सृजनशील और बहुआयामी व्यक्तित्वों का विकास करना होना चाहिए। मुख्य अतिथि ने कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर नागरिक बनाने में नई शिक्षा नीति की भूमिका महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम का समापन कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने सभी कुलपतियों, एनईपी नोडल अधिकारियों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए किया। इस अवसर पर सभी डीन, विभागाध्यक्ष एवं शिक्षक भी उपस्थित रहे। आयोजन समिति में प्रो. सुमन, डा. मनीषा पांडेय, डा. अनीता कुमारी, डा. केआर पलसानिया और डा. विकास सिवाच ने सम्मेलन की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: **Gurgaon Today** **Date: 10-09-2025**

हकेवि में एनईपी-2020 के क्रियान्वयन पर सहयोगी सम्मेलन का हुआ आयोजन

सम्मेलन में बनी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की कार्य योजना।

सुरेंद्र चौधरी, गुड़गांव टुडे

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में 'विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान, हरियाणा' के सहयोग से मंगलवार 9 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के क्रियान्वयन पर सहयोगी सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का उद्देश्य एनईपी 2020 को शीघ्र ही प्रभावी ढंग से लागू करने हेतु हरियाणा राज्य के सात विश्वविद्यालयों में हकेवि के सहयोग के पारस्परिक सहयोगी वातावरण तैयार करना था। आयोजन के आरम्भ में हकेवि के आईक्यूएसी, निदेशक एवं आयोजन सचिव प्रो. सुरेंद्र सिंह ने सभी अतिथियों और विश्वविद्यालय अधिकारियों का स्वागत किया।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) टंकेशवर कुमार ने हरियाणा के सात विश्वविद्यालयों के कुलपतियों प्रो. बी.आर. कम्बोज, कुलपति, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार; प्रो. नरसी राम बिश्नोई, कुलपति, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार; प्रो. दीप्ति धर्माणी, कुलपति, चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी; डॉ. विजय कुमार, कुलपति, चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा; प्रो. असीम मिगलानी, कुलपति, इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर रेवाड़ी; प्रो. विनोद कुमार वर्मा, कुलपति, लाला लाजपत राय पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय की ओर से एनईपी के कार्यान्वयन हेतु जारी पहलों की सराहना की। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा मानव और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। गुणवत्तापूर्ण और समग्र शैक्षणिक दृष्टिकोण के माध्यम से उच्च शिक्षा संस्थान नवीन शिक्षण पद्धतियों, उपयोगी अनुसंधान, सतत आजीविका और राष्ट्र के आर्थिक विकास में सार्थक योगदान दे सकते हैं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रख्यात शिक्षाविद श्री के.एन. रघुनंदन, संगठन महामंत्री, विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान, हरियाणा ने कहा कि उच्च शिक्षा का उद्देश्य विचारशील, सृजनशील और बहुआयामी व्यक्तित्वों का विकास करना होना चाहिए, जो विज्ञान, समाज विज्ञान, कला, मानविकी, भाषाओं के साथ-साथ व्यावसायिक, तकनीकी और व्यावसायिक विषयों में भी दक्ष हों। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर नागरिक बनाने में नई शिक्षा नीति की भूमिका महत्त्वपूर्ण है और इस प्रयास में देश, समाज से पहले विद्यालयों, विश्वविद्यालयों व शिक्षकों का योगदान अहम है। उन्होंने शिक्षा को विद्यार्थी केंद्रित, प्राध्यापक संचालित व समाज पोषित बनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम के संयोजक एवं समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा ने कहा कि एनईपी भारत को पुनः जगद्गुरु के रूप में स्थापित करने के लिए 'भारतीय ज्ञान परंपरा' को समकालीन शिक्षा से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है।

कार्यक्रम का समापन हकेवि के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने सभी कुलपतियों, एनईपी नोडल अधिकारियों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए किया। उन्होंने सभी के उत्साह की सराहना की, जो अपने-अपने संस्थानों में एनईपी 2020 के क्रियान्वयन हेतु तत्पर हैं। इस अवसर पर हकेवि के सभी डीन, विभागाध्यक्ष एवं शिक्षक भी उपस्थित रहे। आयोजन समिति में प्रो. सुमन, डॉ. मनीषा पांडेय, डॉ. अनीता कुमारी, डॉ. केआर पलसानिया और डॉ. विकास सिवाच ने इस एक दिवसीय सम्मेलन की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Hadoti News **Date: 10-09-2025**

एनईपी 2020 पर सम्मेलन आयोजित सात कुलपति हुए सम्मेलन में शामिल

सम्मेलन में बनी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की कार्य योजना

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ मे एनईपी पर केंद्रित एक दिवसीय विश्वविद्यालय सम्मेलन को संबोधित करते मुख्य अतिथि के.एन. रघुनंदन।

विजय कौशिक ▸▸ हाड़ौती अधिकार

नारनौल, 09 सितम्बर। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में 'विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान, हरियाणा' के सहयोग से आज राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के क्रियान्वयन पर सहयोगी सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन का उद्देश्य एनईपी 2020 को शीघ्र ही प्रभावी ढंग से लागू करने हेतु हरियाणा राज्य के सात विश्वविद्यालयों में हकेवि के सहयोग के पारस्परिक सहयोगी वातावरण तैयार करना था।

आयोजन के आरम्भ में हकेवि के आईक्यूएसी, निदेशक एवं आयोजन सचिव प्रो. सुरेंद्र सिंह ने सभी अतिथियों और विश्वविद्यालय अधिकारियों का स्वागत किया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) टंकेशवर कुमार ने हरियाणा के सात विश्वविद्यालयों के कुलपतियों प्रो. बी.आर कम्बोज, कुलपति, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार; प्रो. नरसी राम बिश्नोई, कुलपति, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार; प्रो. दीप्ति धर्माणी, कुलपति, चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी; डॉ. विजय कुमार, कुलपति, चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा; प्रो. असीम मिगलानी, कुलपति, इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर रेवाड़ी; प्रो. विनोद कुमार वर्मा, कुलपति, लाला लाजपत राय पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय की ओर से एनईपी के कार्यान्वयन हेतु जारी पहलों की सराहना की।

हकेवि कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने कहा कि उच्च शिक्षा मानव और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 10-09-2025**

हकेंवि में एनईपी-2020 के क्रियान्वयन पर सहयोगी सम्मेलन आयोजित

विश्वविद्यालयों के कुलपतियों संग प्रभावी एनईपी 2020 क्रियान्वयन पर किया संवाद

- उच्च शिक्षा मानव और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने में अत्यंत महत्वपूर्ण

महेंद्रगढ़। एनईपी पर केंद्रित एक दिवसीय विश्वविद्यालय सम्मेलन को संबोधित करते केएन रघुनंदन।

हरिभूमि न्यूज ▸▸| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान हरियाणा के सहयोग से मंगलवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के क्रियान्वयन पर सहयोगी सम्मेलन का आयोजन किया। आरम्भ में हकेंवि के आईक्यूएसी, निदेशक एवं आयोजन सचिव प्रो. सुरेंद्र सिंह ने स्वागत किया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने हरियाणा के सात विश्वविद्यालयों के कुलपतियों चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई, चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय भिवानी के कुलपति प्रो. दीप्ति धर्माणी, चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय सिरसा के कुलपति डॉ. विजय कुमार, इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर रेवाड़ी के कुलपति प्रो. असीम मिगलानी, लाला लाजपत राय पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनोद कुमार वर्मा की ओर से एनईपी के कार्यान्वयन के लिए जारी पहलों की सराहना की। कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने कहा कि उच्च शिक्षा मानव और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

गुणवत्तापूर्ण और समग्र शैक्षणिक दृष्टिकोण के माध्यम से उच्च शिक्षा संस्थान नवीन शिक्षण पद्धतियों, उपयोगी अनुसंधान, सतत आजीविका और राष्ट्र के आर्थिक विकास में सार्थक योगदान दे सकते हैं।

कार्यक्रम संयोजक एवं समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा ने कहा कि एनईपी भारत को पुनः जगद्गुरु के रूप में स्थापित करने के लिए 'भारतीय ज्ञान परंपरा' को समकालीन शिक्षा से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने स्मरण कराया कि एनईपी 2020 का उद्देश्य विद्यार्थियों को अधिक सार्थक और संतोषजनक जीवन एवं भूमिकाओं के लिए तैयार करना है, ताकि वे मिशन विकसित भारत 2047 के अनुरूप आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें।

कार्यक्रम का समापन हकेंवि कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। आयोजन समिति में प्रो. सुमन, डॉ. मनीषा पांडेय, डॉ. अनीता कुमारी, डॉ. केआर पलसानिया और डॉ. विकास सिवाच ने इस एक दिवसीय सम्मेलन की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

स्कूली शिक्षा में निरंतर बदलाव जारी

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रख्यात शिक्षाविद केएन रघुनंदन ने कहा कि उच्च शिक्षा का उद्देश्य विचारशील, सृजनशील और बहुआयामी व्यक्तित्वों का विकास करना होना चाहिए, जो विज्ञान, समाज विज्ञान, कला, मानविकी, भाषाओं के साथ-साथ व्यावसायिक, तकनीकी और व्यावसायिक विषयों में भी दक्ष हों। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर नागरिक बनाने में नई शिक्षा नीति की भूमिका महत्त्वपूर्ण है और इस प्रयास में देश, समाज से पहले विद्यालयों, विश्वविद्यालयों व शिक्षकों का योगदान अहम है। उन्होंने शिक्षा को विद्यार्थी केंद्रित, प्राध्यापक संचालित व समाज पोषित बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्कूली शिक्षा में निरंतर बदलाव जारी हैं और अगले दस वर्षों में इस बदलावों के परिणाम स्वरूप विद्यार्थी विश्वविद्यालय शिक्षा में शामिल होंगे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited ‘A’ Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Jyoti Darpan **Date: 10-09-2025**

शैक्षिक बदलाव की तैयारीः हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में एनईपी 2020 पर सम्मेलन आयोजित, सात कुलपति हुए सम्मेलन में शामिल

नारनौल, 9 सितंबर (विजय कौशिक)। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में 'विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान, हरियाणा' के सहयोग से आज राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के क्रियान्वयन पर सहयोगी सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन का उद्देश्य एनईपी 2020 को शीघ्र ही प्रभावी ढंग से लागू करने हेतु हरियाणा राज्य के सात विश्वविद्यालयों में हकेवि के सहयोग के पारस्परिक सहयोगी वातावरण तैयार करना था।

आयोजन के आरम्भ में हकेवि के आईक्यूएसी, निदेशक एवं आयोजन सचिव प्रो. सुरेंद्र सिंह ने सभी अतिथियों और विश्वविद्यालय अधिकारियों का स्वागत किया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) टंकेशवर कुमार ने हरियाणा के सात विश्वविद्यालयों के कुलपतियों प्रो. बी.आर. कम्बोज, कुलपति, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार; प्रो. नरसी राम बिश्नोई, कुलपति, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार; प्रो. दीप्ति धर्माणी, कुलपति, चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी; डॉ. विजय कुमार, कुलपति, चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा; प्रो. असीम मिगलानी, कुलपति, इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर रेवाड़ी; प्रो. विनोद कुमार वर्मा, कुलपति, लाला लाजपत राय पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय की ओर से एनईपी के कार्यान्वयन हेतु जारी पहलों की सराहना की।

हकेवि कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने कहा कि उच्च शिक्षा मानव और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। गुणवत्तापूर्ण और समग्र शैक्षणिक दृष्टिकोण के माध्यम से उच्च शिक्षा संस्थान नवीन शिक्षण पद्धतियों, उपयोगी अनुसंधान, सतत आजीविका और राष्ट्र के आर्थिक विकास में सार्थक योगदान दे सकते हैं। कुलपति ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि सरकार से अधिक विद्यार्थियों को सबल बनाने में शिक्षकों का योगदान महत्त्वपूर्ण है। कुलपति ने शिक्षा नीति में भारतीयता, भारतीय ज्ञान परम्परा व भारतीय भाषाओं के महत्त्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि अवश्य ही इस सवांद से सभी सहयोगी विश्वविद्यालय लाभांवित होंगे। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि प्रख्यात शिक्षाविद श्री के.एन. रघुनंदन, संगठन महामंत्री, विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान, हरियाणा ने कहा कि उच्च शिक्षा का उद्देश्य विचारशील, सृजनशील और बहुआयामी व्यक्तित्वों का विकास करना होना चाहिए, जो विज्ञान, समाज विज्ञान, कला, मानविकी, भाषाओं के साथ-साथ व्यावसायिक, तकनीकी और व्यावसायिक विषयों में भी दक्ष हों। मुख्य अतिथि ने कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर नागरिक बनाने में नई शिक्षा नीति की भूमिका महत्त्वपूर्ण है और इस प्रयास में देश, समाज से पहले विद्यालयों, विश्वविद्यालयों व शिक्षकों का योगदान अहम है। उन्होंने शिक्षा को विद्यार्थी केंद्रित, प्राध्यापक संचालित व समाज पोषित बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्कूली शिक्षा में निरंतर बदलाव जारी हैं और अगले दस वर्षों में इस बदलावों के परिणाम स्वरूप विद्यार्थी विश्वविद्यालय शिक्षा में शामिल होंगे इसलिए हमें उनकी आकांक्षाओं के अनुरूप स्वयं को तैयार करना होगा।

कार्यक्रम के संयोजक एवं समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा ने कहा कि एनईपी भारत को पुनः जगद्गुरु के रूप में स्थापित करने के लिए 'भारतीय ज्ञान परंपरा' को समकालीन शिक्षा से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने स्मरण कराया कि एनईपी 2020 का उद्देश्य विद्यार्थियों को अधिक सार्थक और संतोषजनक जीवन एवं भूमिकाओं के लिए तैयार करना है, ताकि वे मिशन विकसित भारत 2047 के अनुरूप आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें।

एक दिवसीय इस विमर्श में सातों विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने अपने-अपने संस्थानों में वर्तमान पाठ्यक्रम ढांचे और सामने आ रही चुनौतियों पर केन्द्रित विचार साझा किए। इस दौरान उच्च शिक्षण संस्थानों और उद्योगों के साथ सहयोगात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देना, स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर बहुविषयक दृष्टिकोण को अपनाना, जिसमें एसडीजी, भारतीय ज्ञान परम्परा (आईकेएस) तथा व्यावसायिक/कौशल संवर्धन पाठ्यक्रमों पर जोर दिया जाए,पाठ्यक्रम, शिक्षण पद्धति, मूल्यांकन और अधिगम आधारित परिणामों का पुनर्गठन, एसडब्ल्यूएवाईएएम व अन्य प्लेटफॉर्म हेतु द्विभाषीय/क्षेत्रीय भाषा में एमओओसी पाठ्यक्रम तैयार करना, सभी विश्वविद्यालयों में इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर (आईआईसीएस) की स्थापना और नवाचार संबंधित गतिविधियों को बढ़ावा देना, मल्टिपल एंट्री और एग्जिट के लिए एकसमान नीति तैयार कर लागू करना, पाठ्यक्रमों को यूजीसी दिशा-निर्देशों से संरेखित करना ताकि नैक मान्यता के समय सुविधा हो, विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों में विविधता को प्रोत्साहित करना, आईक्यूएसी को मजबूत करना ताकि एनबीए, नैक और एनआईआरएफ में बेहतर प्रदर्शन हो सके और समाज की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए शोध कार्यों को प्रोत्साहित करना जैसी प्रमुख सिफारिशें की गई।

कार्यक्रम का समापन हकेवि के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने सभी कुलपतियों, एनईपी नोडल अधिकारियों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए किया। उन्होंने सभी के उत्साह की सराहना की, जो अपने-अपने संस्थानों में एनईपी 2020 के क्रियान्वयन हेतु तत्पर हैं। इस अवसर पर हकेवि के सभी डीन, विभागाध्यक्ष एवं शिक्षक भी उपस्थित रहे। आयोजन समिति में प्रो. सुमन, डॉ. मनीषा पांडेय, डॉ. अनीता कुमारी, डॉ. केआर पलसानिया और डॉ. विकास सिवाच ने इस एक दिवसीय सम्मेलन की सफलता में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Central University of Haryana

NAAC Accredited ‘A’ Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Motherland **Date: 10-09-2025**

शैक्षिक बदलाव की तैयारी: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में एनईपी 2020 पर सम्मेलन आयोजित, सात कुलपति हुए सम्मेलन में शामिल

» **विजय कौशिक, मदरलैंड संवाददाता**

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में ह्यविद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान, हरियाणाह्य के सहयोग से आज राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के क्रियान्वयन पर सहयोगी सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन का उद्देश्य एनईपी 2020 को शीघ्र ही प्रभावी ढंग से लागू करने हेतु हरियाणा राज्य के सात विश्वविद्यालयों में हकेवि के सहयोग के पारस्परिक सहयोगी वातावरण तैयार करना था।

आयोजन के आरम्भ में हकेवि के आईक्यूएसी, निदेशक एवं आयोजन सचिव प्रो. सुरेंद्र सिंह ने सभी अतिथियों और विश्वविद्यालय अधिकारियों का स्वागत किया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) टंकेशवर कुमार ने हरियाणा के सात विश्वविद्यालयों के कुलपतियों प्रो. बी.आर. कम्बोज, कुलपति, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार; प्रो. नरसी राम बिश्नोई, कुलपति, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार; प्रो. दीप्ति धमाणी, कुलपति, चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी; डॉ. विजय कुमार, कुलपति, चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा; प्रो. असीम मिगलानी, कुलपति, इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर रेवाड़ी; प्रो. विनोद कुमार वर्मा, कुलपति, लाला लाजपत राय पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय की ओर से एनईपी के कार्यान्वयन हेतु जारी पहलों की सराहना की।

हकेवि कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने कहा कि उच्च शिक्षा मानव और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। गुणवत्तापूर्ण और समग्र शैक्षणिक दृष्टिकोण के माध्यम से उच्च शिक्षा संस्थान नवीन शिक्षण पद्धतियों, उपयोगी अनुसंधान, सतत आजीविका और राष्ट्र के आर्थिक विकास में सार्थक योगदान दे सकते हैं। कुलपति ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि सरकार से अधिक विद्यार्थियों को सबल बनाने में शिक्षकों का योगदान महत्त्वपूर्ण है। कुलपति ने शिक्षा नीति में भारतीयता, भारतीय ज्ञान परम्परा व भारतीय भाषाओं के महत्त्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि अवश्य ही इस सवांद से सभी सहयोगी विश्वविद्यालय लाभांवित होंगे।

कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि प्रख्यात शिक्षाविद श्री के.एन. रघुनंदन, संगठन महामंत्री, विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान, हरियाणा ने कहा कि उच्च शिक्षा का उद्देश्य विचारशील, सृजनशील और बहुआयामी व्यक्तित्वों का विकास करना होना चाहिए, जो विज्ञान, समाज विज्ञान, कला, मानविकी, भाषाओं के साथ-साथ व्यावसायिक, तकनीकी और व्यावसायिक विषयों में भी दक्ष हों। मुख्य अतिथि ने कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर नागरिक बनाने में नई शिक्षा नीति की भूमिका महत्त्वपूर्ण है और इस प्रयास में देश, समाज से पहले विद्यालयों, विश्वविद्यालयों व शिक्षकों का योगदान अहम है। उन्होंने शिक्षा को विद्यार्थी केंद्रित, प्राध्यापक संचालित व समाज पोषित बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्कूली शिक्षा में निरंतर बदलाव जारी हैं और अगले दस वर्षों में इस बदलावों के परिणाम स्वरूप विद्यार्थी विश्वविद्यालय शिक्षा में शामिल होंगे इसलिए हमें उनकी आकांक्षाओं के अनुरूप स्वयं को तैयार करना होगा।

कार्यक्रम के संयोजक एवं समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा ने कहा कि एनईपी भारत को पुनः जगद्गुरु के रूप में स्थापित करने के लिए ह्यभारतीय ज्ञान परंपराह्य को समकालीन शिक्षा से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने स्मरण कराया कि एनईपी 2020 का उद्देश्य विद्यार्थियों को अधिक सार्थक और संतोषजनक जीवन एवं भूमिकाओं के लिए तैयार करना है, ताकि वे मिशन विकसित भारत 2047 के अनुरूप आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें।

एक दिवसीय इस विमर्श में सातों विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने अपने-अपने संस्थानों में वर्तमान पाठ्यक्रम ढांचे और सामने आ रही चुनौतियों पर केन्द्रित विचार साझा किए। इस दौरान उच्च शिक्षण संस्थानों और उद्योगों के साथ सहयोगात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देना, स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर बहुविषयक दृष्टिकोण को अपनाना, जिसमें एसडीजी, भारतीय ज्ञान परम्परा (आईकेएस) तथा व्यावसायिक/कौशल संवर्धन पाठ्यक्रमों पर जोर दिया जाए, पाठ्यक्रम, शिक्षण पद्धति, मूल्यांकन और अधिगम आधारित परिणामों का पुनर्गठन, एसडब्ल्यूएवाईएएम व अन्य प्लेटफॉर्म हेतु द्विभाषीय/क्षेत्रीय भाषा में एमओओसी पाठ्यक्रम तैयार करना, सभी विश्वविद्यालयों में इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर (आईआईसीएस) की स्थापना और नवाचार संबंधित गतिविधियों को बढ़ावा देना, मल्टिपल एंट्री और एग्जिट

- हकेवि महेंद्रगढ़ ने हरियाणा राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलपतियों संग प्रभावी एनईपी 2020 क्रियान्वयन पर किया संवाद
- सम्मेलन में बनी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की कार्य योजना

के लिए एकसमान नीति तैयार कर लागू करना, पाठ्यक्रमों को यूजीसी दिशा-निर्देशों से संरेखित करना ताकि नैक मान्यता के समय सुविधा हो, विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों में विविधता को प्रोत्साहित करना, आईक्यूएसी को मजबूत करना ताकि एनबीए, नैक और एनआईआरएफ में बेहतर प्रदर्शन हो सके और समाज की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए शोध कार्यों को प्रोत्साहित करना जैसी प्रमुख सिफारिशें की गई।

कार्यक्रम का समापन हकेवि के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने सभी कुलपतियों, एनईपी नोडल अधिकारियों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए किया। उन्होंने सभी के उत्साह की सराहना की, जो अपने-अपने संस्थानों में एनईपी 2020 के क्रियान्वयन हेतु तत्पर हैं। इस अवसर पर हकेवि के सभी डीन, विभागाध्यक्ष एवं शिक्षक भी उपस्थित रहे। आयोजन समिति में प्रो. सुमन, डॉ. मनीषा पांडेय, डॉ. अनीता कुमारी, डॉ. केआर पलसानिया और डॉ. विकास सिवाच ने इस एक दिवसीय सम्मेलन की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Navbihardoot **Date: 10-09-2025**

हकेवि में एनईपी-2020 के क्रियान्वयन पर सहयोगी सम्मेलन का हुआ आयोजन

▸ हकेवि ने हरियाणा राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलपतियों संग प्रभावी एनईपी 2020 क्रियान्वयन पर किया संवाद ▸ सम्मेलन में बनी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की कार्य योजना ▸ शैक्षिक बदलाव की तैयारी: विश्वविद्यालय में एनईपी 2020 पर सम्मेलन

नवबिहार दूत संवाददाता

महेंद्रगढ़ (हरियाणा) हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान, हरियाणा के सहयोग से मंगलवार 9 सितंबर, 2025 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के क्रियान्वयन पर सहयोगी सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन का उद्देश्य एनईपी 2020 को शीघ्र ही प्रभावी ढंग से लागू करने हेतु हरियाणा राज्य के सात विश्वविद्यालयों में हकेवि के सहयोग के पारस्परिक सहयोगी वातावरण तैयार करना था। आयोजन के आरम्भ में हकेवि के आईक्यूएसी, निदेशक एवं आयोजन सचिव प्रो. सुरेंद्र सिंह ने सभी अतिथियों और विश्वविद्यालय अधिकारियों का स्वागत किया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) टंकेशवर कुमार ने हरियाणा के सात विश्वविद्यालयों के कुलपतियों प्रो. बी.आर. कम्बोज, कुलपति, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार; प्रो. नरसी राम बिश्नोई, कुलपति, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार; प्रो. दीप्ति धमार्णी, कुलपति, चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी; डॉ. विजय कुमार, कुलपति, चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा; प्रो. असीम मिगलानी, कुलपति, इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर रेवाड़ी; प्रो. विनोद कुमार वर्मा, कुलपति, लाला लाजपत राय पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय की ओर से एनईपी के कार्यान्वयन हेतु जारी पहलों की सराहना की।

हकेवि कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने कहा कि उच्च शिक्षा मानव और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। गुणवत्तापूर्ण और समग्र शैक्षणिक दृष्टिकोण के माध्यम से उच्च शिक्षा संस्थान नवीन शिक्षण पद्धतियों, उपयोगी अनुसंधान, सतत आजीविका और राष्ट्र के आर्थिक विकास में सार्थक योगदान दे सकते हैं। कुलपति ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि सरकार से अधिक विद्यार्थियों को सबल बनाने में शिक्षकों का योगदान महत्त्वपूर्ण है। कुलपति ने शिक्षा नीति में भारतीयता, भारतीय ज्ञान परम्परा व भारतीय भाषाओं

के महत्त्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि अवश्य ही इस सवांद से सभी सहयोगी विश्वविद्यालय लाभांवित होंगे।

कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि प्रख्यात शिक्षाविद श्री के.एन. रघुनंदन, संगठन महामंत्री, विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान, हरियाणा ने कहा कि उच्च शिक्षा का उद्देश्य विचारशील, सृजनशील और बहुआयामी व्यक्तित्वों का विकास करना होना चाहिए, जो विज्ञान, समाज विज्ञान, कला, मानविकी, भाषाओं के साथ-साथ व्यावसायिक, तकनीकी और व्यावसायिक विषयों में भी दक्ष हों। मुख्य अतिथि ने कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर नागरिक बनाने में नई शिक्षा नीति की भूमिका महत्त्वपूर्ण है और इस प्रयास में देश, समाज से पहले विद्यालयों, विश्वविद्यालयों व शिक्षकों का योगदान अहम है। उन्होंने शिक्षा को विद्यार्थी केंद्रित, प्राध्यापक संचालित व समाज पोषित बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्कूली शिक्षा में निरंतर बदलाव जारी हैं और अगले दस वर्षों में इस बदलावों के परिणाम स्वरूप विद्यार्थी विश्वविद्यालय शिक्षा में शामिल होंगे इसलिए हमें उनकी आकांक्षाओं के अनुरूप स्वयं को तैयार करना होगा। कार्यक्रम के संयोजक एवं समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा ने कहा कि एनईपी भारत को पुनः जगदुरु के रूप में स्थापित करने के लिए ह्यभारतीय ज्ञान परंपराह्य को समकालीन शिक्षा से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने स्मरण कराया कि एनईपी 2020 का उद्देश्य विद्यार्थियों को अधिक सार्थक और संतोषजनक जीवन एवं भूमिकाओं के लिए तैयार करना है, ताकि वे मिशन विकसित भारत 2047 के अनुरूप आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें। एक दिवसीय इस विमर्श में सातों विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने अपने-अपने संस्थानों में वर्तमान पाठ्यक्रम ढांचे और सामने आ रही चुनौतियों पर केन्द्रित विचार साझा किए। इस दौरान उच्च शिक्षण संस्थानों और उद्योगों के साथ सहयोगात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देना, स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर बहुविषयक दृष्टिकोण को अपनाना, जिसमें एसडीजी, भारतीय ज्ञान परम्परा (आईकेएस) तथा व्यावसायिक/कौशल संवर्धन पाठ्यक्रमों पर जोर दिया जाए, पाठ्यक्रम, शिक्षण पद्धति, मूल्यांकन और अधिगम आधारित परिणामों का पुनर्गठन, एसडब्ल्यूएवाईएएम व अन्य प्लेटफॉर्म हेतु द्विभाषीय/क्षेत्रीय भाषा में एमओओसी पाठ्यक्रम तैयार करना, सभी विश्वविद्यालयों में इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर (आईआईसीएस) की स्थापना और नवाचार संबंधित गतिविधियों को बढ़ावा देना, मल्टिपल एंट्री और एग्जिट के लिए एकसमान नीति तैयार कर लागू करना, पाठ्यक्रमों को यूजीसी दिशा-निदेशों से संरेखित करना ताकि नैक मान्यता के समय सुविधा हो, विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों में विविधता को प्रोत्साहित करना, आईक्यूएसी को मजबूत करना ताकि एनबीए, नैक और एनआईआरएफ में बेहतर प्रदर्शन हो सके और समाज की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए शोध कार्यों को प्रोत्साहित करना जैसी प्रमुख सिफारिशें की गई। कार्यक्रम का समापन हकेवि के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने सभी कुलपतियों, एनईपी नोडल अधिकारियों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए किया।

उन्होंने सभी के उत्साह की सराहना की, जो अपने-अपने संस्थानों में एनईपी 2020 के क्रियान्वयन हेतु तत्पर हैं। इस अवसर पर हकेवि के सभी डीन, विभागाध्यक्ष एवं शिक्षक भी उपस्थित रहे। आयोजन समिति में प्रो. सुमन, डॉ. मनीषा पांडेय, डॉ. अनीता कुमारी, डॉ. केआर पलसानिया और डॉ. विकास सिवाच ने इस एक दिवसीय सम्मेलन की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Central University of Haryana

NAAC Accredited ‘A’ Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Navodaya Times **Date: 10-09-2025**

एनईपी-2020 के क्रियान्वयन पर सहयोगी सम्मेलन का हुआ आयोजन

महेंद्रगढ़, 9 सितंबर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में 'विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान, हरियाणा' के सहयोग से मंगलवार 9 सितंबर, 2025 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के क्रियान्वयन पर सहयोगी सम्मेलन का आयोजन किया।

विश्वविद्यालय सम्मेलन में उपस्थित मुख्य अतिथि, विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति।

आरम्भ में हकेवि के आईक्यूएसी, निदेशक एवं आयोजन सचिव प्रो. सुरेंद्र सिंह ने सभी अतिथियों और विश्वविद्यालय अधिकारियों का स्वागत किया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डा.) टंकेशवर कुमार ने हरियाणा के सात विश्वविद्यालयों के कुलपतियों प्रो. बी.आर. कम्बोज, कुलपति, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार; प्रो. नरसी राम बिश्नोई, कुलपति, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार; प्रो. दीप्ति धर्माणी, कुलपति, चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी; डा. विजय कुमार, कुलपति, चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा; प्रो. असीम मिगलानी, कुलपति, इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर रेवाड़ी; प्रो. विनोद कुमार वर्मा, कुलपति, लाला लाजपत राय पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय की ओर से एनईपी के कार्यान्वयन हेतु जारी पहलों की सराहना की। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि प्रख्यात शिक्षाविद के.एन. रघुनंदन, संगठन महामंत्री, विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान, हरियाणा ने कहा कि उच्च शिक्षा का उद्देश्य बहुआयामी व्यक्तित्वों का विकास करना होना चाहिए। यहां हकेवि के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार,प्रो. सुमन, डा. मनीषा पांडेय, डा. अनीता कुमारी, डा. केआर पलसानिया मौजूद रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: The Impressive Times **Date: 10-09-2025**

CUH Hosts Collaborative Conclave on NEP 2020 Implementation with 7 Haryana Universities

TIT Correspondent
info@impressivetimes.com

MAHENDERGARH: Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh, organised the Collaborative Conclave on NEP 2020 implementation in collaboration with Vidya Bharati Uchcaha Shiksha Sansthan (VBUSS), Haryana, on Tuesday 9th September, 2025. The aim of the conclave was to create an ecosystem among seven universities across Haryana state in collaboration with CUH for effective implementation of NEP 2020 at the earliest. Prof. Surender Singh, Director, IQAC cum organising secretary, CUH welcomed all the delegates and university officials. Prof. (Dr.) Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor, Central University of Haryana appreciated the initiatives taken by the Vice-chancellors of seven universities of Haryana Prof. B.R. Kamboj, Vice-Chancellor, Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University -Hisar; Prof. Narsi Ram Bishnoi, Vice-Chancellor, Guru Jambheshwar University of Science and Technology, Hisar; Prof. Deepti Dharmani, Vice-Chancellor, Chaudhary Bansi Lal University, Bhiwani; Dr. Vijay Kumar, Vice-Chancellor, Chaudhary Devi Lal University, Sirsa; Prof. Aseem Miglani, Vice-Chancellor, Indira Gandhi University, Meerpur Rewari; Prof. Vinod Kumar Verma, Vice-Chancellor, Lala Lajpat Rai University of Veterinary and Animal Sciences. Prof. Tankeshwar Kumar also emphasised that higher education plays an extremely important role in promoting human as well as societal well-being through quality teaching through holistic education approaches, as higher education institutions aim to significantly contribute towards innovative teaching practices, impactful research, sustainable livelihoods, and contribution towards economic development of the nation. Vice-Chancellor, CUH termed teachers as the backbone as the role of teachers is crucial in the implementation of the National Education Policy. He further stated that teachers' contribution is more important than that of the government in empowering students. He also emphasized the significance of Indigenous, Indian knowledge System and Indian languages in the education policy-2020. He said that all partner universities will benefit from this dialogue. The programme was attended by eminent educationist K.N. Raghunandan, Sangthan Mahamantri, VBUSS who stressed upon that higher education must aim to develop good, thoughtful, well-rounded, and creative individuals across a range of disciplines, including sciences, social sciences, arts, humanities, and languages, as well as professional, technical, and vocational subjects. He also said that the New Education Policy plays a vital role in shaping students into better citizens, and in this endeavor, the contribution of schools, universities, and teachers is to prime important than that of the nation or society. He emphasized making education student-centered, teacher-driven, and society-supported. He said that continuous changes are taking place in school education, and in the next ten years, students entering university education will be the outcome of these changes; therefore, we must prepare ourselves accordingly to meet the aspiration of this new class of youth. Prof. Pawan Kumar Sharma, Pro-Vice Chancellor and programme convenor highlighted the significance of NEP as a tool to amalgamate the rich legacy of Bhartiya Gyan Parampara into contemporary education in order to catalyze the transformation of Bharat to regain the coveted status of Jagadguru. He reminded the purpose of NEP 2020 is to prepare students for more meaningful and satisfying lives and work roles and enable economic independence in line with mission Vikshit Bharat 2047. In the ensuing discussion, the vice-chancellors of all the seven participating institutes presented their views in terms of the present status of the curriculum framework and challenges faced by them. Based on the present scenario and challenges faced by the invited universities, recommendations like collaboration activities with HEI, industries are to be promoted. The programme was ended with a formal thanks by Prof. Suneel Kumar, Registrar, CUH to all the Vice-Chancellors, Nodal officers-NEP, and other dignitaries for their gracious presence and enthusiasm to implement NEP 2020 in their respective institutes at the earliest. All the deans of the schools and heads of the departments of CUH also attended the programme. The organising team of this conclave Prof. Suman, Dr. Manisha Pandey, Dr. Anita Kumari, Dr. KR Palsania and Dr. Vikas Siwach played a pivotal role in the successful organisation of this one-day programme.